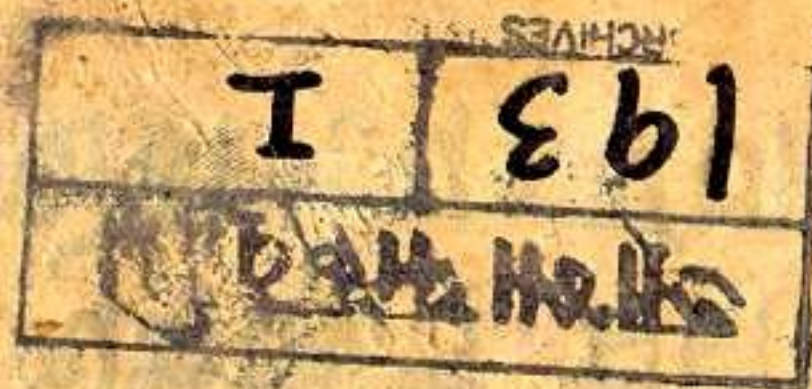






ॐ नमो ४७ शुभ्रवज्रसत्ताय ॥

॥ ॐ नमो ४७ कृमाद्यपाभला

कृमाद्यपाभला

॥ ॐ नमो ४७ वल्लभयाय नमः ॥

ॐ नमो ७१ कृमाद्यपा

भवजाकिरणजा ॥ वाचिसत्ताय महासत्ताय ॥ महाकायनीकाय ॥ गद्य

धाम ॥ ॐ मलिपुत्र ई ॥

॥ ॐ नमो ४७ मदीयावजाकृप्य

जाय ॥ सदान्नगज ॥ लाकपजानय ॥ रुक्मासदावाचन ॥ ग्रामजालिनः

पृथिनसिद्धि ॥ महावृद्धकृ ॥ वेहालिका नाम नाहावमतादिन ॥ नमि

माथोका ॥ य हर्षया ॥ ॐ धर्मो हो ॥ महिपालसर्वगवज ॥ सफा ॥ ३



फुगुफुगुगुन त्याहय ॥ पुहुकृगायाजनमासुह्य ॥ ॥ ॐ नभाज  
त्वगयायनम ॥ श्रीमदु जमाद्यपा मलाक मजयाउ ॥ जसु मिषु रूया ॥ प्र  
पुणवमहुमाखकनयना ॥ प्रापूर्वकायन ॥ प्रापूर्वकायनशसांरुया  
आंग ॥ संमदसंवद पलम मजपिस्यं ॥ अह्लादयका आंग ॥ श्रीजमाद्य  
पा मजा क मजयाउ ॥ जसु मिषु रूया प्रपुणवमहुमाखकनयना मगुय ॥ जसिं  
नाम ॥ पडयागु दिम संकफु किनक नयना हुमाक ऊननी ॥  
गध्राधसा ॥ पुनवाल ॥ श्री ३ जमाद्यपा मलाक मजयागनमस्काजयाय ४



प्रथमं सरुकि पूर्व न कृत्वा ॥ तस्मात्पञ्चाक्षरं ॥ अथ रवंग अत्राधसाः रु  
 कि पूर्व न ॥ महा भुचि जीलया ना ॥ अपचम भवज यादु जक ॥ मन गया  
 रु कि पूर्व न ॥ रु कि पूर्व न पञ्चायाना ॥ अष्टमि पुरुषा महमाखशसाः  
 ज्ञायन्ता ॥ ॥ तस्मात्पञ्चाक्षरं ॥ ग अत्राधसा ॥ वागली प्लवया गुमा  
 हान ॥ अष्टक जाडन ॥ उफगा नामा हा विहा जाय ॥ अष्टक जाडान श  
 सा ॥ उफगा नामा महा विहा विद्याना चीन् ॥ अउफगुफ हिदु याद  
 प्रार्थनायात ॥ अउफगुफ हिदु नत प्रार्थ



त्रार्थ ॥ हुं उ उ फ गु फ हि क्क ॥ कलपालया कृपान ॥ जिनइसां ॥ नम  
न धर्मक भसत्वाया ॥ हुं उ कलपालया दयान ॥ नम नम धर्मया क  
भक नायिका य धं कल ॥ जिनइ इ न धं न ॥ जक चै य उ र्क न ॥ नहाजा क  
वर्क न ॥ नहाजा उ र्क न ॥ जक चै य या उ र्क ॥ भक या उ धर्मक भन न्ये  
भ धं ॥ नहाजा उ र्क द का या ॥ महान चं ग ॥ महा उ र्क म ग ॥ श्री नमो दया  
भस्य ॥ उ उ उ उ भक पु य मा हा भ्य ॥ पुनवा लग भज भस्य ॥ श्री नमो  
दया भलो क भज या ग ॥ नम मि उ र्क या द्य जिन न्य न ॥ ॐ स्वा त्वं ४



धरंजा तिनन्यनगुं व्याश्रुत ॥ हेतुर्हउ फगुफ ॥ धरंश साश्रु  
 झाप सनत्वा ॥ धरंश ह्लादयका विष्काई ॥ धधधका श्रवक जाजा  
 न विगियाना शान ॥ ॥ पुनक धंरत्वा ॥ उफगुफन श्राप्ता पुन ॥  
 श्रलजा उगुवरंभ ॥ श्रवक जाजाया गुदाल भया ॥ उफगुफ  
 हिदून श्राद्दयका विष्काग ॥ गुगुफुल धसा ॥ हे श्रव केनम  
 नसा श्रु न उवच ॥ हे श्रवक जाजाई यक चीक्या नान्य ना विष्का  
 ई ॥ प्रापूर्वका जेन ॥ गभाग पुन श्राप्ता पुस नीरव ॥ प्रापूर्वकाले :



इसा विद्यानावापी ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ८  
किं नमस्का लयाना न्यनागयागु ॥ नसिं नाम ॥ थउयागु दिनइसा ॥ क-  
नयना कंठु ॥ कंइसा न्यहं ज्ञवक जाजा ॥ गथजा असा ज्ञव सिंवु क-  
यामहीमाख ॥ मजसमानन कृत्वा ॥ कंमनसमानयकचीगुयाना न्यना  
विष्कार् ॥ हं ज्ञवक जाजा ॥ गथजा असा ॥ श्रीपलम जल नमदु ज्ञमा  
यपा भस्यवु ॥ श्रीज्ञमायपा भ ज्ञव जा कृत्वा जलयागु माहामंजुल  
दयका ॥ कंमं ज्ञहिग ज्ञवकागु नवहार् ॥ नदार् नदार् ज्ञया सायाचयपक



कं ॥ ॥ पर्नवाल जलजा धली कसामं लुलदयक धंका ॥ पूर्लकल  
 लशसाकू कू सालदामनयनाला धसा ॥ मं लुलशसायातायि हीनंवा  
 रुक ॥ रुलमजादि ॥ पंचपु कानशाकूमधी ॥ ग्म ॥ ग्वय ॥ कजा ॥ ०० ग्यादी  
 वाइयका ॥ हानं कलंडसा ॥ पं करजल ॥ नवजल ॥ लपलपडाहपेत्य ॥  
 द ॥ पं करवही ॥ पं करजं सधी ॥ पं करपुल्लव ॥ पं चामन ॥ साइइ ॥  
 दाका हान ॥ पं ह ॥ पाह ॥ वजाह ॥ जं ह ॥ जं नाल ॥ कू भव ॥ ससखा  
 पा ॥ कू ॥ धं ॥ पंचसु ॥ जं नगु ॥ कालकया ॥ धपू लकल भस्त्रा



पनायानाविय ॥ नानाकृत्तुचंजन ॥ किंकिनीजालमृत्ति ॥ कर्बल  
हान ॥ मंजुलयादुस ॥ नानाप्रकालया ॥ ॐ लामप्यना ॥ कृत्तुचं  
ज ॥ प्रगाक ॥ यामल ॥ उद्वल ॥ किंकिंजाल ॥ खानमाला ॥ ॐ ग्यादी  
कायपा ॥ नृत्तुचं ॥ लयायमानरुयर्क ॥ नयालयाना ॥ हानन्याकसा  
यागुग्मृत्तुस ॥ वधनयाक ॥ गुत्तुप्रजाहिपुनप्राचनापुडयग  
ऊपपाभवनकुत्वा ॥ ॥ केवलहानः ॥ धउगुत्तुप्रजाहितयाग  
ललिवायकाभपनायाना ॥ पचगह ॥ वधनयाकासकलवृत्तुजनपानी ॥



पंके गहका ॥ पनवाल जल हानं ॥ जप विधी पथा पवाल पूजा जाल दय  
का ॥ ५० श्रु मित्रु रू शहादन ॥ सुख चिगु सुवा सिलन ॥ उच्छ्रवय्य दमक  
मल पाप नान ॥ प्रालिज नाक जल नवीगु ॥ पलम ग्वजस्य ॥ नत्मा ५  
काज भा ॥ ५१ रवग ध्या धा सा ॥ ५२ संसा जय जाह न धना वागु वुरू म ५  
श्रु मित्रु रू दन ॥ हापा सुख सान याना ॥ सुख चि रू याना ॥ प्रालिगन  
पिंके ॥ कज्जलगु चि रू गया ॥ दमक मल पाप शया वागु ना ना ॥ गपलम  
मल याके उक मन गया ॥ विधि पूर्वक न पूजा याना विय ॥ ग ध्या धा सा ॥



गंगमज्जलसुनय ॥ ५५ ॥ दिपनेवयसुगंधपिगमनसाचीग ॥ ५६ ॥  
लळाझापा ॥ गंगमज्जलनंझापासुनयाय ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥



ॐ  
ॐ  
ॐ

सा

लविहुं ह अ म क जा जा ॥ अर्थ प्रागभात्र न जपे न ॥ हानं ग्रा अ माघ पा म ला  
 क म्व ज या म ॥ अर्थ श्रिया ना ॥ हानं जप पाथ भात्र न या ना क मा क्ष न्य ॥ सधर्म  
 स्य क पा स्य स्म ज न न ॥ गुत्र स्य वा वा ॥ अल हानं गुत्र प्त्रा हि ग या क ॥ सधर्म  
 क पा श्र सा र्व न्य न ॥ वजा वा र्य द क ना दान दान र्य न व र्म स हा ग स्य स न्दु ॥ ६ ॥  
 स ॥ कवल हानं ॥ वजा वा र्य गुत्र प्त्रा हि ग पि ग ॥ द क नाः ज न नै गु अ  
 ल काल गित हिल ॥ वरु श्र सा ॥ सुवर् ० ० ॥ आदी दान या ना वि य ॥ रु अ  
 न्व क जा जा ध का ॥ ग्रा म क म्नी र ग वानं प थ ध का ॥ श क्ता द य का वि य



नवान्न ॥ कर्बलपथानयायमरुधयागुशसा ॥ उपाशककर्मनध  
मर्कभाकजाम्पहं ॥ वृद्धधर्मसिद्यस्य मयु जमाद्यपो जस्यजन ॥ पंचाम्ब  
मगस्यपालना ॥ पुनवातल जल ॥ जलमिषु रूदनमरुगधयागुशसा ;  
उपासनऊकवाना ॥ गृगिजलयाकः जमाद्यपो जाम्बजयागुनाम  
ऊकस्यजलयाना ॥ सधर्मयागुकभागुज्याकमनमाल ॥ हज्जवक  
जाजा ॥ सहाजाकपीधधधका जाल्लादयकाविष्काग ॥ ॥ ज्जवक  
नप्रापूर्वकाजनयक सिंभाकसिंहयाया जाल्लापिन ॥ हज्जवकजाजा ॥



कुरुयादिभक्त्यां ॥ शानन्दरिक्त ॥ सर्वनीवर्तविरुद्धिवाधिसत्त्वपिंस  
कल ॥ डिमनिदालरिक्त ॥ हानडिनिदालञ्चिञ्चलपी ॥ सकल  
स्यसकलमकां ॥ श्रीरगवानस्यञ्चकनष्वहनस्य ॥ श्रीमकम  
नीरगवानरुसा ॥ अकनष्वहनकाहाविद्याना ॥ कपिलवसुना  
मेन ॥ कपिलवसुमाहानगले ॥ विष्णुनामउद्यानरुसा ॥ अ  
स्यमहासुखरुयावागुशुद्धरुमीस ॥ निर्मलसिजामयतउस्य  
पर्वचन्दजाकलन ॥ अलजाअस्यनिर्मलरुयावागु ॥ वदानद



गु॥ वदार्थकलंगरागलाहंरागककादयाधान॥ ५ लाहंराया  
नकुग५वाजा५सा॥ पूर्मासस्य॥ पूर्मासीत्यनूग५नकुवध  
यइयावीगुय॥ ५ ५गुंनूयनूगजकोकलिमानंइयाधान॥ प  
नक५॥ गीरगवानइसा॥ ५ हेसिगामय लाहंयादेडानविष्काना  
उंशान॥ गपीगुपुकांलविष्कानाधान॥ नकुस्यपंकेजसिं॥ स्वर्गम  
५पागालपुकांभीग॥ पुनवालगुगुपुकांविष्कानाधान५सा॥ ५  
गुपंकेजसिंनकुइसापिकया॥ स्वर्गम५पागालययकोधान॥



ॐ श्री  
य  
८॥

॥ नदीगिरिसिनामय ॥ नानाधर्मव्याख्यानकथामहं ॥ जलजापगुणजवस्मी  
पिबया ॥ नदीयामित्रचागुलाहंकागवजाभनयाना ॥ नानाप्रकालधर्म  
व्याख्यानयायगमयालक्ष्याविष्कानाशान ॥ सर्वमध्यापागालदेवलाकः  
सगजसूत्या ॥ संरायनसुदिस्यशाम्ननंशालापीनं ॥ नदाउगुवर्षन ॥ ८॥  
श्वर्कवापीदेवलाकपिंस्य ॥ धर्पकंजसिंमडपुकागक्षयाउंग ॥ सु  
यागु ॥ गुक्षसियागु ॥ कादेवलाकपिनी ॥ धीधीविवालयानाभया  
वान ॥ नदाउगुवर्षन ॥ पुदिष्ठिधकानामक्षयावाक् ॥ शाम्ननकृक



एनं अल ॥ हृदयलाकपिं ॥ ५५ परं चैव सिंगजुपी हाडंगु ममपीदवगा  
पीगुमष ॥ ५५ गजसुसां स्यागु असा ॥ श्रीरगवानस्य वृद्धस्य मवच ॥  
हृदयजाकपी ॥ ५५ परं चैव सिंगजु स्यागु असा ॥ श्री २ भाकमनी ॥ वृ  
द्धरगवानयागु ॥ ५५ गजपुका मयानाहगु ॥ ५५ ५५ कागु विगु मवन  
५५ गुफाल ॥ शहादयकल ॥ हृदयजाकस्य पिथीव्या कपीलयसु  
नामन ॥ शुद्धरुमीति नामय ॥ कर्पल हृदयजाकपिं ॥ ५५ गभीजागु  
कभंयानाहल असा ॥ ५५ पिथीमंजुल ॥ कपिलयसु निनामनगल ॥







रुगवान यागपूजाया ना ॥ मधुजवाक्क नाना धर्म व्याख्यान सुखा ॥  
सुदृष्टिग संन देवना क ॥ नानापूष्य धूप दिप विधा पूर्व केन पूज  
येत ॥ ५ ॥ ५ ॥ का सुदिष्टी शासन ॥ १ ॥ शासन मनी रुगवान या ॥ मधु  
जगुवाक्कन ॥ नाना धर्म व्याख्यान मन उ न्य धका ॥ देवना क पिं  
सकन मना ॥ ननगु क र्ध पूजा या सामाग्री जाली देयका ॥ नानापूष्यः  
धूप दीप नव य ॥ रुल रु ल ॥ प्रकान ॥ दिप ॥ कय चंड प्रगाप चा  
नल उ द्यन ॥ सि नाक् पिं ॥ पात ॥ कि की जी का ॥ प्रात प्रगाम्बल;



ॐ सा  
क  
॥ १० ॥

स्तदिजात्रासकलदवत्राकपिंमनाअंत ॥ हानवर्गुदशन ॥ देव ॥ ना  
ग ॥ उरुजाकसनागत्राक ॥ गंधर्वकीनयन ॥ यमवर्जुनवायुवक्र  
व ॥ कृष्णदुयमत्राऊन ॥ नृपसत्रागत्रान ॥ पुनवालहान ॥ देव  
त्राऊ ॥ ॐ न ॥ नागत्राऊ ॥ उरुजाकसनागलो ॥ गंधर्वत्राक ॥ की  
नल ॥ धयापी ॥ यमत्राऊ ॥ वरुनत्राऊ ॥ वायु ॥ कृष्णल ॥ कृष्णद ॥  
ऊर्मत्राऊ ॥ नृपसत्रागत्रापिं ॥ ५५ ॥ २ ॥ आपीदवत्राकपीमृका ॥ स  
दिदीत्रासं सकलदवत्राकलिउ ॥ २ ॥ गया ॥ श्रीरगवानया ॥ ५५ ॥ ५५

॥ १० ॥



कविस्वामिस्तु कुरु कुरु नृवाचक भाना ॥ वज्रभान विंदुं विधा विधानेन न  
लहान ॥ पंचामृतं प्रपन्नं ॥ तस्मात्प्रकाशनाथ ॥ जलजातं गुणवत्तमं ॥  
ग्रीष्म ऋतुनीलग्नं वा नयागच्छता ॥ वज्रनक्षत्रमलसकसिं नलकप्या ॥  
सुदिक्षीष्टां स्मृता ॥ विधि विधानं पञ्चांगं मागुं हं नयनया पञ्चा  
यायत्न ॥ तदा उगुवर्षा ह्यापां गं गमयात्तु जल न स्नानया कल ॥ जल  
हर्तृ प्रं वाम गनं स्नानया ना ॥ साइ इ न स्नानया ना ॥ पुन जल हान ध्वं ॥  
धुपास याका ॥ जने गुह्यं न स्नाना वा गुर्वन्दन ॥ रगवानया कपात्र चन्दनं नि  
का



ॐ  
क  
॥ ११ ॥

हानं ज्ञनगुप्रकात्रयाजीकाकरवायका ॥ पायप्रगामलयावस्तु ॥ हानने  
वद्यदलदल ॥ मयय ॥ याकूमधीसुवनदकना ॥ नात्राप्रकालसकस्य  
नंप्रजायाना ॥ विवलनिवासन ॥ पिंदपागुदाहजपा ॥ हानंकिदीनी  
जालनपना ॥ नात्रावाद्यधना ॥ ज्ञनगुप्रकात्रलंतसाहयाना ॥ कर्बलहा  
नं ज्ञनगुप्रकालं ॥ ऊपगपधनपापयानाः ॥ प्रगुप्रकालसकस्यनंप्रजा  
याना ॥ कृगाडली ॥ हानंसकलस्यनंजाहाहाकलपा ॥ नापयाग ॥ गुग  
प्रकालं ॥ नापयागधसा ॥ सर्वद्विपत्रम्यजत्रस्यवत्रलान्दधिई ॥

॥ ११ ॥



गुगुपु काल विनियोग ॥ हसं पलम्य ॥ लह गवान ॥ ५५५  
का सकल स्वर्न ॥ यत्र नमल लक प्यां ॥ विंनियाना वान सुदिष्टी वा  
न्नन ॥ सकल दव जाक पिंस्व ५५५ काली ॥ दयावान् ममस्य ५५५  
५५५ जा म्य हं ॥ मनस्मान् आगता हृष्ट ॥ हृष्ट हसं सर्वं नाथः  
मगादा जनमेव कल लयादयान ॥ ५५५ दयादसा ॥ जिमिग  
स ५५५ याक ५५५ ५५५ म ५५५ वागा ज या गु र्य न्यन ॥ जिमी न्य  
ग ५५५ दाशया ॥ ग सिं नाम ५५५ या गु दि न ॥ जिमी सकल अया हृष्ट ॥







सकलद्वयगन॥ असकस्यनविनिर्गता॥ ॥ नस्मार्थकाजनः  
उग्वर्युग॥ पंकेदभरवनया॥ उरुगातवनया॥ दभदिगतरवन  
या॥ चतुदिगतरवनदृष्टादवजाकेन भागता॥ हानचतुदभतरव  
नयादवजाकेपी॥ दभदिगयादवजाकेपी॥ सकलमृना धंकाउल  
वर्तुजाजात्रासिधनासाधगत्रात्रिदिगवल॥ याहभवा॥ गंध  
र्व॥ गलपुगीविद्याधजागुक्तलाकडपाभक॥ पासिकोसमदुनाक  
पूर्णवालहान॥ चतुमाहात्राजाधयापी॥ सिधगनधयापि॥ साधगनपा



ॐ नमः  
॥ १३ ॥

त्रि रवी जलन ॥ या ग जलनपी ॥ विद्या धल ॥ शुद्ध लोकगनपिं ॥  
उपासिकधी ॥ ॐ जो २ पिंदव दे न मनूष्यगनरुसा ॥ श्रीरगवान  
या भसंताया ॥ धी धी पंचापुर बापू जायानावान ॥ पुन शुद्धी ग्रन्थ  
न ॐ नदस्य जलकन ॥ कृणाडली मन्दा ॥ गदाउ गुवर्षग ॥ सुदिष्टी  
ग्रा ॐ ॥ ॐ नद ॥ जलकना जा सकल स्यन हा ५ हा कल पाडां वि कि  
यानावान ॥ गगुण कालं ५ सा ॥ हरगवाना हवृष्य स सहजुनम  
कृण ॥ हरगवन हगुर्क लपोलयाक ॥ सहजुनम स्याल हे प्रद ४

१३



इरुमस्युर्ग ॥ हगुगु कलपालयाक राकगु विंति याय ॥ ग ५५  
५५ सा ॥ वरु देकायाउ रुमगु ॥ ५५ अरु मिगु रु याक ५५ ॥ अ ५५ वाप  
न्यरु लस्य समस्यन ॥ अरु पुसा ॥ हगुगु पुन्यरु ल ॥ ५५ सकठाडि  
मीग अरु दयका विष्काई ॥ ५५ पुका ल सकल देव याक न विमिया  
नावान ॥ अरु गवान याहु अं न्य वा ना ॥ देव जाड ५५ नदन ॥ अरु दिष्ठा  
गुक् अरु का मूडा ॥ पुन बाल देव जाड ५५ नदन ॥ अरु दिष्ठा न ॥ अ  
अक जाडा पिं सकल स्यन ॥ अरु मिगु रु या पुन्यरु ल न्यन ५५ का ५५ ग ॥ ॥



ॐ नमः  
१४

अलगवान्वाच कर्तना दृष्टी सत्त्वा ॥ श्रीमद् अर्भापा भस्वयुक्तं भक्त्या मया  
हं ॥ ॥ पूर्वया ल अलका सकल सत्त्वा कया ॥ श्रीलगवान्वाच ल  
नया ॥ मस्तुक्तं इति ॥ अर्भापा भक्त्या मलया ॥ प्रत्यमही मा सकल  
दव जाक पिं ॥ अर्भापा दयकल ॥ गुगु पकाल अर्भापा दयकल भक्त्या ॥  
हे दव जाक पिं ॥ दव जाक गुगु ॥ गुदिष्टी ग्रा ॥ अर्भापा कया ॥ किं  
सकल सत्त्वा ॥ अर्भापा मया वाचिर्गुगु या नान्य किमी सत्त्वा ॥ मा हाका  
मल गुवचन इत्या वा ॥ लगवान्वाच अर्भापा कया मही मा  
मा

॥ १४ ॥



इसा ॥ अज्ञादयका विष्णु ॥ ॥ ॐ ॐ पुकारं ॥ असा ॥ हृदय जाक  
ॐ दिष्टि ग्राहक ॥ ॐ ॐ क्राडा ॥ ग ॐ जा ॥ असा ॥ ॐ विष्णु मनसा  
याया ॐ ॐ ॐ वर्यद ॥ अक ॥ पापस्य प्राचनी ॥ प्रालीना कर्माद  
षी ॥ ॐ विष्णु समाहित ॥ ॐ ॐ विष्णु रासा सनातन परवर्ग रुद्र ॥  
रूपानी ॐ ॐ मनवचन इसा ॥ कायवाक्यी रुद्र इसा ॐ ॐ याना ॥ ॐ  
ॐ ॐ ॐ जलपा ॥ ॐ ॐ ॐ सलपाप इसा गा ॥ ॐ लिङ्गनया  
ॐ ॐ ॐ विष्णु गया ॥ ॐ ॐ ॐ या वागुव संपना ॥ ॐ ॐ ॐ नयानाडया ॥



ॐ नमो  
१५

१ का

जातविभ्रवर्नपंकरं गह्वरं ॥ उपासनाची न्य ॥ श्री गुरुभाषण या क  
लया मं लुल दय का ॥ गुरुप्राप्तिगसहीतं विद्या ॥ ५ गुरुमिपु  
तु विवि विक्षन ५ च लया या न गुरु ॥ ह गुरु क जा जा ५ का ॥ गुरु  
गवानं गुरुदय का विद्या ॥ ॥ ५ ५ गुरुदय क वचन न्य ॥ १५ ॥  
न ॥ बुद्धिगुरु ॥ ० न गुरुदी ॥ गुरु क जा जा ॥ सफल जा क ॥ देव  
देव ॥ मनुष्य ॥ गुरु व स क ल मना ॥ ५ गुरु क मी व रू दना विद्या ना  
वान ॥ ५ उ या गुरु उ म ले ॥ ५ ५ ५ का श्री गुरु ह गवानं गुरुदयः



का विष्ठाः हे जे कजाजा ॥

॥ उरूत्रापं पवसिगज्जुषा उरुस  
मानय ॥ तस्मात्तथात्र ॥ उगुवर्षतश्चा ॥ उरूत्रापं पथ्यागु नग  
लश्चां ॥ वासयानावा ॥ वसिष्ठज्जुषा ॥ जय ॥ यथा ॥ जल ॥ स्पर्श ॥ उरू  
कगुदनावाना कालंदय धं कल ॥ नप्यमवचमन नंदोलनन ॥ श्री  
रगवानस्य सुधर्म ॥ उपद ॥ भक्त ॥ समा ॥ बाल ॥ वसिष्ठस्य सत्या ॥ शगक ॥  
गदा उगुवर्षत ॥ ५ ॥ वसिष्ठज्जुषा ॥ जय ॥ उरूदनावागु ॥ गकालंदक  
नप्यरुल जायमरुनी ॥ ॥ ५ ॥ रुयाधुमन ॥ ॥ शकलव्याकलशयाः



॥ १५ ॥

॥ १५ ॥

॥ १५ ॥

शानुसिद्धिषीया ॥ शानुगधयायधकाशन ॥ श्रीरुगवानध  
मंडपदगुस्माशाल ॥ पूर्णवालउगुवर्षन ॥ श्रीरुगवानधमंडप  
दभधममिधभकनाशनधगु ॥ वसिष्ठजुषिष्वजनसमाशालसि  
याडा ॥ पुस्तानमम ॥ शधभयसडाडिडानधकापुस्तानया  
नाशन ॥ धर्मश्रधकामभाकरुलप्राफि ॥ शडिग ॥ धर्मश्रधः  
कामभाकरुयायधका ॥ ॐ क्वायाना ॥ उरुजायधनगलपुस्तान  
यानाडाल ॥ नदाउगुवर्षन ॥ श्रीरुगवानयासरासधकडाल ॥

॥ १५ ॥



वसिष्ठ कन आवथा जाउं ॥ गदाउगुवर्षन गुरगवानं शस्त्रादयक  
लगुगुपकालं असा ॥ हं अश्वकजा ॥ अश्वसिष्ठ अषी कृष्णजन  
डाल ॥ उफगुफनामन ॥ एगवानस्य हत्या ॥ अश्वकजा डाने ॥ गस्म  
प ॥ अल ग्राउफगुफरिक्कनं कसां ॥ गुरगवानयागुरवा लब्धया ॥  
अश्वकजा डायग अल ॥ गुगुपकालं अलजा असा ॥ हं अश्वकजा डः  
अश्वसिष्ठ अषी डंगु अर्थस्य जा ॥ गुरगवानयासहर्म लुलसइ  
हा डी ना ॥ एगवानया वजनक मल राक प्या ॥ गुरगवानयागु ॥



कुं उअ न्य विष्ठाग ॥

॥ गदा उ गु वष न ॥

गिराग वानं शता अक्षदय

कल ॥ हे अ न्य क जा जा ॥ हव सिद्ध अषी प्वल ॥ के न अ ग गा व या ह ४

हव सिद्ध ॥ क प न का य उं या ॥ क का ज ल उं या ॥ के अ म थ का य इ

या ॥ प गु भ ली ले ॥ सं सी गा गा हा क या ना ॥ ल सी ज क न गा हा क इ

य क ॥ अ कं अं ग सि वा इ य का का य इ या ॥ गो ह न म द य क ॥ का ज

ल म द य क ॥ अ म थ का य इ या ॥ उ द र प न ॥ वि नृ प या ना इ ल क ॥

ग हिल न ॥ अ न्य क गं सि इ य का ॥ प गु स जी ल क क या ना इ ल ॥



ऋति ३४ श्वन क षु ऋ षा हनी ॥ म ष्व किं न्य रूप न ॥ कर्वल हव सि  
 षु ऋ षि कं जा ऋ षन क षा दना क षु न या ॥ इ ख इ य का ष य इ या ॥  
 ष य ना पं म या प ष का य इ या ॥ क न का ज ल ॥ क का ज ल ॥ गु गु का  
 ज ल ष का ॥ श्री ग ग वानं न्य ना वि छा न ॥ ह ग वान स्य वा वा सृ त्वा ॥ य  
 सि षु ऋ षी स्य ॥ क ना ज ली म् डा ना ॥ ह पु र ह गु र् इ य वि छा ना वा  
 ष ॥ प ष ष का प गु पु काल ॥ य सि षु ऋ षी ष ल नं ॥ वि क्रि या ना वा  
 न ॥ गु गु पु काल ष सा ॥ ह ह ग वान ह गु र् ॥ डि थ ष इ या गु म नाः



ॐ नमो  
१८

१ सजा

[illegible]



[illegible]



ॐ नमः  
१८

कथाकथाम्बहं ॥ हनुमत्कथा ग्राह्यादयका विष्ठाई ॥ मममाकदल  
माईपुसभारय ॥ हनुमत्सर्वज्ञनाथ ॥ ॐ नमो नमो माकमाईता  
न्याद ॐ जं डि कपुसशया विष्ठाई ॥ ५ गुणकालवसिष्ठलिषी  
शज नईसा ॥ ग्राह गवानयाक ॥ नानामाथन ॥ नानापुकाववि  
गिया नाथन ॥ ॥ ननकावायाहनीत्या ॥ एगवानस्पृह त्या  
ग्राह्यापिन ॥ नवमर्त्यस्यमासापुवात्यपुर्न केनकायन ॥ हयसी  
नमः ॥ गाममासापुवात्यपुर्न दनायाकायनक ॥ केशुमनेक

॥ १८ ॥



इया ज्ञानमगुरुं वाना ॥ कजावजाहमर्च ॥ क कामनाया नावाना ॥ ५७७  
काली ॥ गुरुगवानं ॥ वसिष्ठजिषीयाखाल ॥ मरुतुर्द्विं जा ॥ ज्ञान  
दयकाविष्कात ॥ कजावजाहमर्च ॥ ज्ञानमासापुवास्वगुरुद  
नापन्यदलजा ॥ कुरुद ॥ गुमसुहवसिष्ठजिषी ॥ ५७८ तजीलमागुह  
कगुरुइयावान ॥ कुरुवाय ॥ इयावान ॥ महाकुरुनइत्य ॥ माहाक  
वनेया ॥ इ४४ वसिया ॥ कवानमाल ॥ कविर्पइया ॥ संतीउक ॥ लसी  
उक ॥ गवउक ॥ गगहाकयाना ॥ ५७९ कया ॥ गव ॥ गहमदयकाइयमा ॥



पथीजाग्रुमरीग्रुफलठकदिवियाहल ॥ पशुपुकातं ॥ वसिष्ठजुषीयाग ॥  
 गीरुगवान्नानावान्न ॥ ॥ रगवान्नस्वयवन्नसुता ॥ वसिष्ठजुषी  
 स्यामलनसुता ॥ माहाविजापनवालवापनधिर्यकुगाजलीमृदु ॥  
 गदाडुगुवर्षगयसिष्ठजुषीयाग ॥ गीरुगवान्नश्राद्धदयकन्यना  
 डा ॥ पडां पडां पमनं ड सुकालगया ॥ तिलकसाकुकना ॥ यवगुजाहा  
 नहुकूमिया ॥ अथवाहान्नमिरवानीयवीधज्राहायका ॥ माहापनः  
 माहाविजापयाना ॥ पथमनंमहापेद्यायाया ॥ वालवालडसुकाजगया ॥



विष्णुनं कं गाऊली मूडा ॥ कर्वल हानं ॥ रुका विर्जया ना ॥ एवा एवा रुक  
न जया विदिया ना धान ॥ रगवान या क ॥ हगु रु हना प ॥ नरा इ सांती  
नं कल पा लया क ॥ भगा का जल ॥ धु रु द ना गु मष ॥ ध सी सा जा हंड  
लाह न य र्ज सा रु ल मा ग क ल्य ॥ धम नर थ काम मो क रु ल मा जा ॥ मा सा  
पु वा ल पु रु उ पा भ ना स य न व धे न ॥ अ सिं दि ने न रु ल च र न ॥  
ह भ क म नी र ग वा न ॥ भगा का जल मष ॥ ध सी सा ल ॥ उ ला ह ध या गु  
रु र्ज सि धि ना य ध का ॥ धम नर थ काम मो क रु ल जा य या काम ना न ॥ ४ ॥



४५  
क  
२१

मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥  
सक्तिद १०० ॥ दयध्वं कल ॥ धनीया ॥ अडीगल ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥  
महनी ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥  
यग ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥  
हे देव ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥  
ना ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥  
नकाया ना विचार ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥ मासाप्रवा ॥ ५० ॥

॥ २१ ॥



आकादयकाविष्कार्क ॥ ॥ यगधर्मनिरूपण ॥ रुपलमि जलमासा  
पुवाभयर्कदनावागु ॥ निरुललल ॥ मभगुउपायकनाविष्कार्क ॥  
थथथका ॥ सहस्यनवदिता ॥ सहसुकातिधकाविंति यानावान ४ ॥  
वसिष्ठवाचा ॥ एगवानसत्याहास्यजा ॥ पुनयाल जलवसिष्ठजुषीया  
गुखालज्वया ॥ गुरगवानमद्रुगमाग ॥ एगवन ॥ जलजाउगवरव  
न ॥ जषीयागुखालज्वया ॥ गुरगवानमद्रुगमाग ॥ जलजाउगवरव  
नरखालज्वयावान ॥ एगवान ॥ वसिष्ठमनजलकुलइत्यपिन्दल



ॐ

क

॥ २२ ॥

अलवसीषु अषीया ॥ मनयाग आकूलया दुशयका ॥ महाकयुनया ॥  
नागनागीया स्वासगया श्री ॥ यजावल उ सकालगया ॥ हानरगा  
वायाक प्राथनाया नाथान ॥ सीताल नज दानराय पलम ॥ हृ  
हृगु ॥ ॥ सीताल सज दयायी ॥ ममपी हनीमयना ॥ विना  
कुलपाल विनान ॥ न दयायी संहमयना ॥ हृगु ॥ विगड ॥  
लयाना विद्याई ॥ हृगु ॥ कर्बल कुलपाल गधी ॥ सफलद  
वजाकया ॥ समरु प्राणी जनया ॥ आसारल सानक लपाल हृगु ॥ ४

॥ २२ ॥



सर्वमन्त्रपात्रमाहात्म्यगिसयन॥ ह्रु ह्रु लपालपी॥ माहात्म्य  
वगश्यावा॥ संपूर्णहृत्पात्रा॥ अम्मउम्मगिपननदा  
नपुदान॥ नानादवन॥ कर्वलहानं॥ अम्मउम्मगिपसं॥ नानाप्रकाल  
यादानदागर्वायानां विद्यानावा॥ अम्मउम्मलपाल॥ हानं अन्ननपीदवगा  
पि॥ अम्मउम्मपद॥ विद्याविद्यानावा॥ अम्मउम्मलपाल॥ अन्नन अन्नान  
नपलम॥ पुनवाल हानं अन्न अन्नलमइ॥ विद्याविद्यानावा॥  
थपीजा॥ अम्मउम्मलपालया॥ अम्मउम्मगिपया॥ ह्रुगवन॥ ४४



कल पाजया ॥ मम मर्ष जाग्रा ॥ डि थी आ क म र्प र्प ॥ ह ग ग य य ह प  
 ह ॥ दा डि ग व न नी क ड ॥ दा डि पा क गु ड ॥ स स ना ल न ॥ स र व  
 ना ग ना डा ॥ धं ॥ द म गि व जा प न या ॥ नि ग व ड ॥ इ क स ह ॥ थ थी  
 आ पि स्य ॥ कल पाज या ग ग य य म र्प ॥ म म म र्प ॥ डि म र्प कू गा  
 ग य य रु यी ॥ ह र ग य न म म र्प नी ॥ म म न का क र्प ॥ डि ग न का य य  
 माल रु ग र्प ॥ मा हा वि जा प न ॥ थ ग प काल वि जा प या ना डा ग य य  
 व सि ष्ठ स्य वि जा प न ॥ ह र ग य न स्य म र्प न वी र्प ॥ म र्प पि र्प ॥ ४



नदाउगुवर्यत॥ वसिष्ठः प्रचिन विजायागु नया॥ श्रीरंगवानं ०१ ह्ना  
दयकल॥ गुगुगु कालं धसा॥ हव सिष्ठः प्रषा॥ मनमास॥ कर्नमनसमा  
नयक चिरुयाना न्य॥ ग धजा धसा॥ ध संसाल सज्ञया चागुत्य॥ कर्ग  
कनेकनेक॥ चिरु विष्ठया नाकं॥ ध संसा जे लाक उन पीस्यं॥ धर्मजा  
यंगु॥ नरेदनयक चीगुन॥ यक एव न कायकाक चीगु गुद्ध नभव  
य॥ जागद्वे समाह मायाका धस्य निरुधुपन॥ धर्मजायगु प्रा नीऊन  
पिंसीरदमस्य॥ ग धजा धसा॥ धगु चिरु गुद्धयाना॥ यक मनयानाः



२४  
क  
२४

५५५मयास्प ॥ ५५५वाहन ॥ कायवाक विरु सुखमशुख ॥ कर्बलहान ॥  
जाग ॥ ५५५ ॥ माह ॥ माया ॥ क्राद ॥ ५५५ ॥ कागुन रवठगती जा ॥ ५५५ ॥ ५५५  
तागु ५५५याग जा ५५५यागुइसा ॥ ५५५ ५५५ काममाक वरुवइरुल  
यायरुयी ॥ कजीस्यजाक ननमव ॥ पुनवालहान ॥ कजीयाजीक ॥ २४  
जनपनीस्यन ॥ ५५५ ५५५ ५५५याग ॥ ५५५ ५५५ यागमरुजीकजन ॥ ५५५  
मजिऊक याजा ५५५ ॥ जाक यागपुला लया ५५५ याजा ५५५ ॥ सीसाव  
लपन ॥ ५५५ सीसाव ॥ ननूगस्य ॥ ग ५५५ याजा ५५५ ॥ ५५५ ५५५ ॥ मषन



अभगवधनवलजन ॥ ननगुपकाल ॥ पणउककगिजाक ॥ ५५ ॥ इ  
गुस्वार्नयानाशुल ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥  
गु ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥  
५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥  
काजनयत् ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥  
हानननान ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥  
सामसिया ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥



कषु सियाइ यमाल ॥ खंड गिजाग स ॥ गुव धम्मस्य सजीवन द्या  
 नक ॥ हान ५ ५ धम्म जायम सया ॥ खंड गि सऊक जाना या वा  
 द्रुया धान ॥ जाक उन पी ॥ १२ ५ याका जल ॥ छन रुव सिखु म  
 षी ॥ ५ ५ धं नु धम्म जायगु ह द म स ॥ ५ गु सलील उक कषु या  
 ना इया वागु ॥ द १०० द द य ५ क ल ॥ १२ ५ न क न धम्म १२ ५ काम  
 मा क ॥ ५ वरु व ग रु ल जाय म रु नी ॥ मन समा द रु वी रु स ॥  
 हिव सिखु म षी ॥ काका रु विरु धी रु या ना न ॥ ५ स सा ल जी क या गु ॥



ज्ञानग ध्याना ध्याना ॥ अथ कर्म ध्यानाप ॥ पर्वगया वाय वागु ॥ वृद्ध ॥ सिमा  
याम्लगु कया स सया वागु ॥ रुलखा ना नय धका वा ना वा ध्या ॥ कर्वल हान  
हमलं या कृद यका नयी स्वा न ॥ न स कया शयी ॥ अल ध्या न धया उ क  
य धका शसा क यागु ध्या ॥ ध धां रु ॥ अ अज्ञानी पीत्रा क जन पी स्य ॥ अने  
नया का प्ल ॥ ना ना पु काले वा का या ना रु ल ॥ धा डी मा नि रु ल धका सि  
क ॥ हा हा क रु ह न मान अम ॥ धम नि रु ल ॥ कर्वल हा ॥ हा हा का न श  
यका ॥ क रु ड क न या ॥ ग धा ह न मान ॥ अम रु ल न य म स या उ ॥



मृग  
क  
२६

पुनर्वात ॥ अथ मनया वाथां ॥ हवसिष्ठ ॥ धधं नुका कं धर्मया ह्युत्राय  
मरुग ॥ मासापुवा वलीगा ॥ कं मासापुवा भवुर्दनायापुत्राय म  
रुनी ॥ धर्मजाय मरुनी ॥ कं जा हा हा कषु नया शल धका हा जा शल ॥  
सत्रीलस्य कषु न धर्मनिरु ल नरुदन ॥ पुनर्वात हान ॥ धग सुजील ॥ २६  
यागु उक कषु या ना ॥ धर्मया ह्यु मसयका ॥ हा की धर्मया सा निरु  
लशया ॥ रुल जाय मरु ॥ धग ध मसील ॥ हवसिष्ठ जषी ज्वल ॥ कं  
नदान न कषु च मासापुवा स्ववत्रीगा ॥ कर्वल ॥ मउ क कषु नया ॥ दान  
पुदान धयागु हं ह मया स्य ॥ मासापुवा सयुर्दनाया ॥ ध्यम धः



दानपुदानमयास्य । शमथं मंत्रं क क क नया । धर्मं न च काममाकं  
यगुगननायक्यी ॥ उलाजाहूनखर्कसि विनवाहनी ॥ कर्तलहान  
उलाजाह्वयागुखर्कसिद्धि ॥ कृगुयापेजायक्यी ॥ शमथं हाकाध  
मयानाशसा ॥ रुडमसीयर्कगनयर्कवर्ककलजायक्यी ॥ ६१००  
तल्लीद ॥ दयधुंफल ॥ मासापुवाव्यगुर्कधानावागु ॥ शमलधर्मजा  
यमनी ॥ विद्वानधगुर्कधकाधयावागु ॥ कपिषी ॥ द्यालीतासाकिन  
गु डिप्लीगकयाजानावान्यरुधका ॥ हानधर्मयागदासागयाशक ॥

६६७ ॥

१ मा



ॐ  
२१

दोखन॥ धर्मयाग दोषनयाशुम्भ॥ कंजुषी॥ धर्मधयाग कं गाहमषुध  
ॐ नमः॥ चिकान २ नात्राप्रकायनरग वानस्पयावा॥ धगुपुकाली॥ ना  
नाप्रकाली जषी धत्रयाग॥ ग्राएग वानं वावियावान॥ जषीस्यमासापु  
वाध्वकुं वसयनयुक्त॥ अस्मिन्नकल॥ पुनवाल ५ धध धगुपुकाली ग्रा २१॥  
ह्लादयकल॥ हव सिक्के जषी कं जाहो डो मासापु वाह॥ वक्तु वाना गुदं  
१०० सक्रीद॥ अथ न धडया ज्ञयापिकक॥ कलजायमहनी कं॥ अ  
मधध धगुवीरु धुधमशुक्त॥ अथवाहान॥ दान दान कय कनमयासशुक्त॥



पुत्रमजीलजकधंकाश्री॥ धर्मजायमसुस्रया॥ पुत्रसलयागजकक  
वृयाजाश्री॥ धर्मयातदुमसस्रसीया॥ नानापदालधर्मयानाश्ल॥ ह  
नधर्मयानदाषनयाश्री॥ मनसाववसाजसामर्थन॥ मर्यस्यगृषीः  
काकाहमृषी॥ जीगकमनवाधं॥ सामर्थदसा॥ कृपीजास्रमर्यस्र  
मृषीकृमया॥ साकसिंगपश्ल॥ अगकृहसंख्यामइ॥ कजामर्यशया  
धकाधर्मजायमरुनी॥ ज्ञाननयुर्धम॥ धर्मस्यकलमापान॥ कव  
लहवसिष्ठमृषी॥ कृष्णधलदनगुमसियावाक्यात॥ नजानधर्म



ॐ नमो  
क  
२८

गदयीगु धम्मउपदसविय ॥ कंनंजुषी ॥ जल्लास्य कायवाकची न  
चजनी कादीग ॥ ५७७ काल ॥ गीरगवानं शहादयकल ॥ ७७७ क  
लं वासा ॥ हवसिखुजुषी ॥ कवलकं मनइसा ॥ काय ॥ वाक ॥ चीग  
बुद्धयाना ॥ नकविगुयाना ॥ हानं शमहं ज्ञापायानातयागु ॥ व  
रुताताका ॥ शडीली ॥ ननानं सधम्मपुन्यजालदयीगु कंनंजुसा  
गुजुषी ॥ जमाद्यस्य रुलमादा ॥ ७७७ कमीवुरू समायले ॥  
गसाधकात्रभमं ॥ हवसिखु ॥ जगभजवासा ॥ पुन्यजायधयाग

॥ २८



शसा ॥ श्री गुरुभाषपागलाक जलयाग ॥ गुरुमिपुर्कस ॥ उकचीर्कया  
ना ॥ गुरुर्कचलयागानीनधसा ॥ इर्कनजायग ॥ सगपुनमागह ॥  
मनसा ॥ वाचाकल्पना ॥ दभकभलपापकादनी ॥ नजकसनरागस्य ॥  
गुरुमीपुर्कचलयागानीसां ॥ इर्कमिडान्यमालीमष ॥ ननानेसुषा  
वमिडान्यदयो ॥ विस्यचन ॥ पगमनगुरुमशलधसा ॥ नानाक  
पंगुर्कधर्मयासा निरुल ॥ पापगुचीगुऊकशयावानी ॥ दभकस  
लपापनरुयीमष ॥ सिनाहडीसा ॥ नजकहागयायमाली ॥



ॐ नमः  
क  
१९

ॐ नमः ॥ नाना धर्मवर्तु शुद्ध चार्त्तन ॥ हव सिद्ध ॥ नाना धर्मवर्तु या  
यता ॥ भगु मनवचन सुद्ध मया स्या ॥ हागु धर्मयासा निरुल इयी ॥ हव  
सिद्ध जल ॥ न विचायन ॥ विना विचात मया स्या ॥ कं जल ॥  
जिं धयागु रव न्यजा ॥ हव जल ॥ धपी जागु धर्मवर्तु कं गकन धन ॥ २५  
नि विगु वाचा सुत्या ॥ हव सिद्ध जल ॥ निरुमि धयागु कं गकन  
एल वसीव ॥ कं न्य नाची धर्य ॥ ॥ व सिद्ध जल ॥ नि विगु  
धर्म काय ॥ काय वा कचीरु शुद्ध न ॥ हव सीव जल ॥ भगु निरुमि ॥



धर्मधयागु॥ कृत्राधसा॥ कायवाकचिरुशुद्धयाना॥ प्राणीमान॥  
नृधवाहान॥ प्राणीजनयागुकरनागया॥ कर्बलरुका॥ दूरुध  
धर्मदानदानवयायगु॥ नृलधकात्रिवृतीधर्मधयागु॥  
वगुहयनाशन॥ द्युजनिपापमाचन॥ नृधन॥ धर्म॥ नृध॥ का  
म॥ मोद॥ वगुयज्जलायगु॥ पुनवाल॥ धससापपगारयइ  
गुमादि॥ द्युजनिउान्यगु॥ पापमाचनयाना॥ धर्मनृधकाममा  
द॥ धलीचगुउंविहालयगु॥ नृलजादयी॥ उर्मरसऊजा॥



ॐ नमो  
३०

व्याधिम् नमस्कृत्य स्यात्कुरु ॥ ५५ पवारुयद्दुसंली ॥ सुखश्याउंयी ॥  
आरुं विरुं पुष्टयाना ५५ मयासा ॥ ननानगप्रदयाउंनी ॥ ५५ गुणका  
लं ॥ अरुगयानं आह्लादयका विद्यानाधान ॥ ॥ एगवानस्यवा  
वाभुम्य ॥ वसिष्ठजुषीत्य ॥ सहमुनमस्माल ॥ गदाउगवर्षग ॥ एग ॥ ३०  
वानयागु आह्लादयना ॥ वसिष्ठजुषी न्वली ॥ सहमुनमस्मालयाना ॥  
॥ अह्लाकावसिष्ठजुषीया ॥ मनश्शसाहगासवाया ॥ अरुगवानया  
पाइकासलाकप्या ॥ आहाहाथकालपाउं ॥ विद्वियानाधान ॥ ॥